

सांध्य दैनिक



*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

पृष्ठ: 8 अंक: 310

इंदौर, शनिवार 20 अई, 2023

पेज: 8, मूल्य: 2 रुपए

- G7 Summit 2023:** जापान दौरे पर कोरिया, वियतनाम के नेताओं से मिले पीएम मोदी, इन मुद्दों पर हुई बातचीत
- Karnataka:** उद्व-अखिलेश समेत ये बड़े नेता शपथ ग्रहण में होंगे शामिल, पर न्योता न मिलने पर इस राज्य के CM नाराज
- G-20:** कश्मीर की जी20 बैठक से बौखलाया चीन, बोला-विवादित क्षेत्रों पर होने वाले आयोजनों में नहीं होंगे शामिल
- चंडीगढ़ में बेखोफ चोर:** पंजाब आर्म्ड पुलिस मैस के बाहर लगी 300 किलो की हैरिटेज तोप चोरी, नहीं लगा था CCTV
- Manipur:** हिंसा के बाद हाइवे बंद, मणिपुर में जीतन रक्षक दवाओं की भारी कमी, सौ रुपए किलो बिक रहे आलू!
- UP News:** पूर्व CM अखिलेश यादव की ताई का निधन, लंबे समय से बीमार थीं समदरा देवी, 11
- Chennai:** आखिर क्यों बेचना पड़ा गूगल के CEO सुंदर पिचाई को अपना पुरतनी घर, कागजात सौंपते समय रोते दिखे पिता

शहर की सड़कें पहले से ज्यादा व्यस्त

10 प्रमुख स्थानों पर फुटओवर ब्रिज बनाने का प्लान

✎ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में जिस तरह वाहनों की संख्या बढ़ रही है उसको देखते हुए शहर की लगभग सभी प्रमुख सड़कें पहले से ज्यादा व्यस्त हो गयी हैं। सड़कों पर गाड़ियां दौड़ने के कारण पैदल चलनेवाले लोगों को रोड पार करने के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ता है। इस तरह की समस्याओं से बचाने के लिए शहर में फुट ओवर ब्रिज का होना बहुत जरूरी है। पैदल यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने 10 प्रमुख स्थानों पर फुटओवर ब्रिज बनाने का प्लान तैयार किया है। हालांकि यह प्रोजेक्ट कागजों पर है। प्लान के मुताबिक पीपीपी मॉडल पर बनाये जाएंगे। टेंडर के माध्यम से कम्पनियों बुलाया जाएगा। जो कम्पनी ब्रिज बनाएंगी उसे ही ब्रिज के दोनों तरफ विज्ञापन के अधिकार होंगे।



महापौर पुष्पलिंग भार्गव का मान्य है कि टेंडर स्वच्छता की तरह टेंडरक में भी नंबर बनने से पहले दिन से ही शहर की टेंडरक व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं। प्रोजेक्ट को धारात्मक रूप से लिफ्ट निगम टेंडर प्रक्रिया शुरू कर रहा है। महापौर का मान्य है की फुट ओवर ब्रिज टेंडरक व्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है जो जनता से जुड़ा हुआ है। हाल में हुए बजट समझने में महापौर ने अपने मान्यता बजट में पैदल यात्रियों की सुखा हो फुट ओवर ब्रिज के लिए प्राथमता रखा है। निगम ने जो स्थान फिनाल किए हैं, उन स्थानों को महापौर ने ही संक्षेप दे दो है।

शहर में जहाँ है फुट ओवर ब्रिज

शहर में फुट ओवर ब्रिज नहीं होने के कारण सड़क पार करते वकन हादसे का शिकार हो जाते हैं। वाहनों को रफार, नसे में ड्राईविंग, हादसों के प्रमुख कारण हैं। कई बार रोड पर अंधेरा होने कारण सड़क से सड़क करने पर वाहन चालक को पैदल यात्री टिकरॉल नहीं देते और दुर्घटना हो जाती है। टेंडरक विरोधक का मान्य है की टेंडर

● टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होगी

शहर में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से सड़क लेबर नगर निगम ने काम शुरू कर दिया है। निगम के पब्लिक इंजीनियर अनूप मोहन ने बताया की फुट ओवर ब्रिज प्रोजेक्ट के लिए शहर के 10 प्रमुख स्थानों का चयन कर लिया गया है। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। ब्रिज के लिए ये स्थान चुने गए है जहाँ पर यातायात के दबाव के साथ साथ पैदल चलने वाले लोगों को रोड क्रॉस करने में परेशानी होती है। फुट ओवर ब्रिज का निर्माण पीपीपी मॉडल पर किया जाएगा। जो भी कम्पनियों शहर में ब्रिज का निर्माण करेगी उन्हीं के पास विज्ञापन के भी अधिकार रहेंगे। फुट ओवर ब्रिज पर पैदल चलने वालों को एम्बेन्डर और एल्बेन्डर की सुविधा मिलेगी वा नहीं टेंडरकर कम्पनी पर निर्भर करेगा।

● अभी केवल तीन फुट ओवरब्रिज

शहर में केवल तीन फुट ओवर ब्रिज बने हुए है। ये तीनों ब्रिज ट्रेजर आलेख (टीआर) 56 दुकान तथा कलेक्टरीट पर है। हालांकि टीआर56 वाले ब्रिज पर एम्बेन्डर लगा हुआ है जबकि कलेक्टरीट और 56 दुकान वाले ब्रिज पर उतरने से पहले के लिए न तो लिफ्ट है और न ही एम्बेन्डर है। ऐसे कई पैदल यात्री अभी जाते है किन्हे सिविलियॉन पर चढते - उतरने में परेशानी होती है। इस कारण इन तीनों ब्रिज का उपयोग बहुत कम हो रहा है। शहर में बनने वाले 10 नए ब्रिज पर क्या व्यवस्था रहेगी ये प्रोजेक्ट की डीपीआर बनने पर पता चलेगा।

जैसे बड़े शहर में फुट ओवर ब्रिज का होना जरूरी है। इस व्यवस्था से सड़क यात्रियों और नुकसान कम है। सबसे बड़ा फायदा यह है की पैदल यात्रियों को रोड पार करते समय टेंडरक में घुसना नहीं पड़ेगा, वाहनों का जाम भी नहीं लगेगा और दुर्घटनाओं में कमी भी आएगी। सराफिया 40 लाख की आवसीयता वाले इंदौर शहर में फुट ओवर ब्रिज होना बहुत जरूरी है।

दहेज के लिए सताया, महिला ने दी जान

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट

दुई। एका मल्लिका को समुद्रतट घाटो नें दोहन नें कर के गिरइ इतना समय कि चैं आउर उतने पंचो लुकाकर खुकुटो कर लीं। मल्लिका नें पुलिस नें जांच के बाद फीलि पहिल समुद्रत घाटो पर केस दर्ज किआ है। परदेसीय पुलिस नें बलाय किना 9 मंथो को मंडोलन निवासी जेहि पत्नी गुरकान रतन के नांव के प्रयास करि आसतया कर जाँच लीं। मल्लिका नें पुलिस नें मंथो बयान कर जाँच को पता चला कि जे पति काँ उरसुल गाँव देहाउ नें बास के की मंथो करतें हुए आर दिउ शारिफिक और मजदूरीकर रूप से रवाना करतें थे, जिनके पहलो जेहि नें खुकुटो की कर लीं। जाँच के बाद पुलिस नें करत सूबाय के फील नैबले के बास लीं समुद्रत घाट के प्रेभाराणय पर, असीं यमो और सचि रम्य पर केस दर्ज किआ है।

आत्महत्या का प्रयास, केस दर्ज

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट

दुई। मयूना अनुबुना कार्यालय के बाहर एक यमामिने नें आत्महत्या का प्रयास किआ। उतसका मल्लिक से विवाह दुआ जो धारसेते लेकर पहुँच गया था, वह धारसेते डाकरकर आपा लगा चला दूसरे पहलो नें उतसकी हस्तकत कर लिया गया। आरोपी देविता फिला मंगोलोस निवासी विद्या नर के खिलाफ केस दर्ज किआ है। टीआइए टारजोको कर्जी नें बलाय कि देहदर भर्ताऊरा नामा क्षेत्र में एक गृहस होटलमें नें गइ है। खाँ पर उतसका मल्लिक से विवाह अउर, मल्लिक नें उतसकी हस्तकत को लेकर पुलिस में धरिप गया कि वहाँ बनी बहो तो वहाँ से भाग गया। बहो से सीधे मयूना अनुबुना कार्यालय पर पहुँच गया था। खाँ पर आत्महत्या का प्रयास करने लगा। उतसे बोला से केसोमें निष्काकर अपने ऊपर डाल लिया था, पर जेकुटु जवान नें उतसे दूखिया और आण लगवने से पहलो ही फकाइ किया।

युवक का रास्ता रोककर हमला

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट

दुई। एक युवक का बयानमें नें रास्ता रोक सिंग उरसके उतसे रहल मारपीत करतें हुए खुकुटी बलवु से उतसके कर धरकर कर लीं। परदेसीय पुलिस के अनुसर सूरत पास की सिंग पर इतरी बलवु नें रहने बलवु फिंज ब रिपेट पर केस दर्ज किआ है। सूरत नें बलाय कि नें जांच आउरसा धर्मलाल के यमन से जा राह था, तभी फिंज ब उतसे सूरती नें देतें। सिंग के बी बलवु को लेकर दोनों मुथो भी पहिलो देते सूरत नें उतसे दोनों को वासो देते से मना किआ तो फिंज नें उते सूरत पर धरकर मार कर फिंज नें फिसी खुकुटी चींग से बलवु पर बल किआ तो भिने बलवने के सिने अनुबुना दलियाँ हाथ जोड़े बलवने को बल खुकुटी चींग से देतें। इतने हेम को कोबनी के ऊपर ब नीचे ले लीं जिसेसे मुथो लेकर बलवु निकलतें लगे। वा देख दीनों धमकाते हुए बलवु निकले।

पति का फाँस सिर

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट

दुई। पाटनगुरी नें रहने बलवु एक युवक का उतसकी पत्नी से सिर फाँस दिया। हे से पर से आँके की बला को लेकर विवाह हो गय। जब पति नें टीका और इसका कारण पूछा तो पत्नी नें उतसका सिर फाँस दिया। गौला फिला चरुडि मेलो (56) निवासी बेचरी गनी परदेसीय को सिंगलरकर पर उतसकी पत्नी जागृति के खिलाफ केस दर्ज किआ गया है। उतसकी पत्नी को बलाय कि पर खाँ पर से राह थी, वह पत्नी पत्नी जागृति पर पर आँके इतरे पर उतसे खुसु कि तुम कहें मंथ लीं। इस पर बलवु होतो की तुम कहें मंथ लीं। मैं कभी भी जाऊँ नू हे इससे बलवु कहें। इसी बात को लेकर उतसकी मंथो नें बलवु इतरे तो आरोपी नें वासो गतरीकर काम शुरू कर दिया। जागृति नें कुकर के डकनन से सूरत सिर पर आँके। जिसेसे सिर में चोट लकर बलवु निकलते लगे। आरोपी नें धमकाय कि आर, आण के बाद कुसु बोला तो जान से मार देदी।

बेटी और फिर छह साल के बेटे की मौत, तनाव में महिला ने दी जान

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। एक मल्लिका ने जहर खाकर सती का उतसकी बेटी और फिर बेटे की मौत हो चुकी है। इससे वह डिप्रेशन में रहने लगी। पुलिस के मुताबिक अभी जांच की जा रही है। परिवार के बयान के बाद और स्थिति स्पष्ट होगी।

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। एक महिला ने जहर खाकर सती का उतसकी बेटी और फिर बेटे की मौत हो चुकी है। इससे वह डिप्रेशन में रहने लगी। पुलिस के मुताबिक अभी जांच की जा रही है। परिवार के बयान के बाद और स्थिति स्पष्ट होगी।

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। एक महिला ने जहर खाकर सती का उतसकी बेटी और फिर बेटे की मौत हो चुकी है। इससे वह डिप्रेशन में रहने लगी। पुलिस के मुताबिक अभी जांच की जा रही है। परिवार के बयान के बाद और स्थिति स्पष्ट होगी।

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। एक महिला ने जहर खाकर सती का उतसकी बेटी और फिर बेटे की मौत हो चुकी है। इससे वह डिप्रेशन में रहने लगी। पुलिस के मुताबिक अभी जांच की जा रही है। परिवार के बयान के बाद और स्थिति स्पष्ट होगी।

एसी सुधारने आया, कर दी वारदात लॉकर से ले भागा लाखों का माल

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। पारसिया धन क्षेत्र के मनोरंजक में एक महजून में चोरी हो गई। पर मॉनिटरिंग नें आउर लगवा हे कि जो थल्लि उतसके वार पर एसी सुधारने के लिए आया था, उसने ही लॉकर के ताका लौकरकर लुकाँ के जेकर लौकर चैनस हो गया। जब फरियार नें अस्मरी खोलो तो उसे चोरी के बळ में पता चला।

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। पारसिया धन क्षेत्र के मनोरंजक में एक महजून में चोरी हो गई। पर मॉनिटरिंग नें आउर लगवा हे कि जो थल्लि उतसके वार पर एसी सुधारने के लिए आया था, उसने ही लॉकर के ताका लौकरकर लुकाँ के जेकर लौकर चैनस हो गया। जब फरियार नें अस्मरी खोलो तो उसे चोरी के बळ में पता चला।

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। पारसिया धन क्षेत्र के मनोरंजक में एक महजून में चोरी हो गई। पर मॉनिटरिंग नें आउर लगवा हे कि जो थल्लि उतसके वार पर एसी सुधारने के लिए आया था, उसने ही लॉकर के ताका लौकरकर लुकाँ के जेकर लौकर चैनस हो गया। जब फरियार नें अस्मरी खोलो तो उसे चोरी के बळ में पता चला।

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। पारसिया धन क्षेत्र के मनोरंजक में एक महजून में चोरी हो गई। पर मॉनिटरिंग नें आउर लगवा हे कि जो थल्लि उतसके वार पर एसी सुधारने के लिए आया था, उसने ही लॉकर के ताका लौकरकर लुकाँ के जेकर लौकर चैनस हो गया। जब फरियार नें अस्मरी खोलो तो उसे चोरी के बळ में पता चला।

त्यापारी को एप कॉल से धमकाने वाले पकड़ार

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। एक व्यापारी को एप कॉल से धमकाने वाले पकड़ार। आरोपियों में एक नवाबलिग भी शामिल है।

दुष्कर्म का आरोपी रचा रहा था शादी

● पुतिस घर पहुँची तो निर्भाइ जा रही थी हद्दी की रस
दुई। निर्भाइ को पुतिस नें सुखी कुरलकर निवासी मल्लिका के निवास पर रच समुद्रत घाट करतें हुए उतसके को बळ में लेकर ले गय। इत डिप्रेशन के आउर पर उतसके ने दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ार के मंडप में ही उठा लिया। पुतिस जब आरोपी के घर पहुँची तब उतसकी रस मल्लिका की रस फिल्लिस जा रही थी। आरोपी दुईतर में युवती से पर करने के बाद फरियार रचा था। युवती की शिकायत के बाद से पुतिस उसे दुई रही थी। शिकायत करने वाली युवती नें बलाय कि वह 21 मंथो को आरोपी सुखी लुकाँ से शादी किया जा रहा है।

नवालिग से दुष्कर्म

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। लसुईया क्षेत्र में रहलत मंथरी नें नवाबलिग का अस्तर कर उतसके सख दुष्कर्म किआ। पीडात के सिंग नें शिकायत दर्ज कराई थी कि उतसकी नवाबलिग बेटो तत के फका करती बल्लि गई है। आरोपक हे कि बळ में उतसे बला-पुस्करकर अपने रास ले गय है। पुतिस नें उतसके के शिकायत प्रकरत दर्ज कर जांच शुरू की। दुष्कर्म को पुतिस आउरस तक पहुँची। पीडात नें पुतिस को बलाय कि आरोपित उतसे बला-पुस्करकर ले गय और उतसे सख नवाबलिग संधि बनवा। इतके बळ पुतिस नें आरोपित को मारवाक दर्सते हुए प्रकरत में दुष्कर्म की धरग बलदी।

पत्नी से की मारपीट

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। कलानी नगर में रहने बलवु एक महिला को उतसके पति नें पीट दिया। सीमा शिवराममा (45) निवासी कलानी नगर की शिकायत पर उतसके पति जुगल किरोर के खिलाफ केस दर्ज किआ है। महिला नें पुलिस को बलाय कि पति जुगल किरोर मुद्रा पर संसक बनाते हे इसी बात को लेकर पत्नी गलती करणे लगल। विधिव बलवु पर मारपीट की इतसे उतसे लुकर बलवु निकलने लगल। उतसे मरत के लिए सूरत मयागा तो अस्मायक से लोस आ गय। बळी कुसु मयगा (29) निवासी कलानि बलाय मारपीत की शिकायत पर उतसके पति किरोर के खिलाफ केस दर्ज किआ है। उतसकी पत्नीस को बलाय कि पति रायाम के जमे में पर आल। उतसे उतसके रिपोर किआ तो आरोपी नें मारपीत कर दी। उसे पकका किआ इतसे सूरत टाकर गय।

जान सेवका अभिनयाय, मौके पर किया निराकरण सुनी ससम्हाए, मौके पर किया निराकरण

● डिप्टिब्लिग् यूआ रिपोर्ट
दुई। सुमयुम्मी जन सेवक अभिनय के अंगरत अंगरतो ग्रामीणों की ससम्हाए के तहार निराकरण के लिए शिबिर आयोजन का फैसलासिा करी है। इसी फैसलासिा में मल्लिकमल अमला लोस वेली दुष्करत पळुवा। कलेक्टर नें ग्रामीणों की ससम्हाए सूर और मौके पर ही उतसका निराकरण करारत। जिते के साँदर आउर गंग गुलावर में सुमयुम्मी जन सेवक अभिनय के तहार शिबिर का आयोजन किआ गया। इतसे सूरु शिबिर के अधिकारी मौजूद रहे। ग्रामीणों की ससम्हाए सुकर हसी-नेथ फिलकरन की किआ गय। इस मौके पर साँदर सूरत ललकरनी, कलेक्टर डॉ. इंदिया राज ठी सल्लि अन्व अधिकारीयों नें ग्रामीणों की ससम्हाए को सूअ और उतसका मौके पर ही निराकरण किआ। ग्रामीणों की विभिन्न योजनाओं के अंगरत किल्लबन का शिबिर किआ गय। शिबिर में दरुली बलवु को भेस और कली कितावा का शिबिर भी किआ गय। शिबिर में विभिन्न शासनयि विभाग के अधिकारीयों नें सूरत ललकर ग्रामीणों की ससम्हाए सूरुमें अवैलेन रिपोर और उतसके मौके पर ससम्हाए किआ।

निःशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस बनाना का शिबिर आरंभ

दुई। मया दुसरे परिजन ससरा दूर तोरतत विधाक भी रोस मैडन के मुंगुल और मिडिये पर सुनो दी कला मल्लिकामन नें मिजुयु मल्लिकार और उकराओ का 20 मंथ, हयिबल को मिजुयु किटल तारसि बलवु नें आउर जिनके नें शिबिर किआ गय। विधाक अभिवि संकसत कुरी-रकर सेकड प्रोसेस करा बलाय कि इन शिबिर नें सूरु मल्लिकार पर तारतत जो मिजुयु लाइसेंस बनाने बलवु नें हे शिबिर में आरत आ लाइसेंस बनाने बलवु नें हे कि शिबिर ससरा शिबिर 20 बळी से बलु सल्ले।

संपादकीय

सही फैसला

केवल जम्मू-कश्मीर के साथ पूर्वोत्तर के कई इलाकों में भी सुरक्षाबलों को पुलिस के साथ तालमेल बना कर काम करने के लिए तैनात किया गया है। मगर जम्मू-कश्मीर का नामला इस्लामिज्ज्यादा संवेदनशील है कि वहां पाकिस्तान का सीधा दखल और दावेदारी है। जम्मू क्षेत्र को कश्मीर की अपेक्षा कुछ शांत माना जाता है, मगर उसके भी जो इलाके सीमा के जुड़े हैं, वहां आतंकी संगठन अपने पैर पसारने का प्रयास करते देखे जाते हैं। जम्मू इलाके से चरणबद्ध तरीके से सेना को हटाने का विचार किया गया था, मगर अब सरकार ने वह फैसला वापस ले लिया है और अनिश्चित काल के लिए सेना की वापसी को टाल दिया है। ऐसा जम्मू क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए किया गया है। पिछले कुछ समय से जम्मू क्षेत्र में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। लक्ष्य बना कर हमले करने, सैन्य ठिकानों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ी हैं। वहां के डोडा, पुंछ, राजौरी, उधमपुर और बनिहाल जैसे इलाके टीना पाठ से आतंकी घुसपैठ की दृष्टि से संवेदनशील हैं। वहां से अभी सेना की वापसी करना आतंकी मंजूबों को बल प्रदान कर सकता है। इस लिहाज से सरकार का फैसला उचित कहा जा सकता है। हालांकि नागरिक इलाकों में सेना की तैनाती से कई तरह की दुशारियां भी पैदा होती हैं। सेना का प्रशिक्षण नागरिक मजलों को सुलझाने या वहां की सुरक्षा जस्टंटों के हिसाब से नहीं होता। उन्हें युद्ध और सटहटी इलाकों में दुश्मन देश पर नजर रखने का प्रशिक्षण होता है। ऐसे में कई बार पुलिस और स्थानीय प्रशासन के साथ उसे तालमेल बिठाने में परेशानी पैदा होती है। उन्हें नागरिकों के साथ पेश आने में व्यावहारिक दिक्कतें आती हैं। इस तरह कई बार सेना पर मानवाधिकार हनन के गंभीर आरोप भी लगाते रहे हैं। खासकर जम्मू-कश्मीर संवेदनशील राज्य है और वहां से अनुच्छेद तीन जो सत्र हटने के बाद पाकिस्तान की तरफ से भारत को अस्थिर करने की कोशिशें लगाता दर हूई हैं।

11/2/11
MORARI BAPU



सत्य-प्रेम-करुणा...

तुलसी कहते हैं कि भरोसा ऐसा होना चाहिए कि जिसमें दर न खरोती हो... जिसमें भय का बर भी स्थान न हो... जिसमें साहज कहते हैं भरोसे भरी... भय जो को घृणो तो वो भरोसे की सब प्यवज करेगी ?... वो तो सीधे बात करेगी... मोंहे लपुट्टे भरोसे... मुझे मेरे बाप पर भरोसे हैं... मुझे और कुछ खबर नहीं... वो मुझे अपना सम्भार कर भी सेवा न्यय नही करेगी... **भरोसा 2 तरह से किया जा सकता है**... 1... कुछ भी सीधे बिना किसी के चरणों में समर्पित हो जाना... 2... पूरे तरह जान लो... फिर समर्पित होना... सब जान लो की कोशिश करने में तुम किसी सब जान लो हो उस पर अंधार है... जिसके बारे में तुम जानना चाहते हो उससे वो डेप करता है कि उसके लिए प्रीति है ?... वो उससे ईर्ष्या है ? या सपना फल है ?... वो जानने लगे हैं... जयना वो तुम्हरे दिवान में करार कर दे... मुझे कोई खूबे कि भजन यानि क्या ? तो ललायनदा एक ही कब्र कहता है कि 'भरोसा ही भजन है'... जिसको भजन करने से सम्भार ज्यदा जने की कोशिश नही करनी चाहिए... **बहर-बहने मुझे जाना है कि बात... इस काम में एक निश्चय में... भरोसा... विश्वास के निश्चय में... कबह पूरे से उसके फले इस**

भरोसे के लिए महाप्रभुजी वल्लभाचार्य ऐसा कहते हैं कि भरोसा दृढ़ होना चाहिए....

विश्वास को अर्पित करने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?...अथवा तो ऐसी कोई चीज चाहिए जो कि हमारा विश्वास बना रहे... बहुत करुण है... मैं भीसा रामभद्र का दर्शन कर रहा था... उसमें क्या गोवर्धनी जी ने दो संघर्ष में कुछ बातें सुनें हैं...उसका अलंकरण मुझे मुझ से मीने ये किया है... मेरे लिए तो मैं किसी भी अलंकरण का स्वीकार नहीं करता... भरोसा महाराज भरोसा... किसी भी समन को मुझे जरूरत नहीं...अंधा तो अंध...अंध तो ज...पत्नी...अंध बंध करके भरोसा... भीसा रामभद्र सिंधु में भरोसे के जो अलंकरण बताए हैं वो तो जिसको ज्यदा जानकर भरोसा करके है उसके लिए है... 1... गुणदायक... गुण के पद का...अथवा पूज्य का आशय करना... 2... कृष्णदीर्घाक्षिण...भाषण कृष्ण के नाम का...मंत्र का...अथवा तो भवभजन कृष्ण के संबंध में जो कहार है...उसका शिरोधार्य करार करना...जैसे हम गीत का स्वरगान...भाषण का पारंगन का कृष्ण के अग्रत-ब्यार रही कस्तु जिससे हमें शिखा प्रदान हो... 3... विश्वस्यगुण...जिसके पास पर है उसके ज्जि हमपर भुन भुन रहे... 4...सबस कर से सत्युनन निम्मे दो उसकी सेवा करनी...पूजा नहीं... 5... सत्यमनुष्यः... अपने सत्यम के लिए किसी परम के पास बिनासा... 6... भोष्टिः त्यागः कृष्णस्वल्पे...कैवल्य कृष्ण के लिए त्याग स्वल्प को छोड़ देना... भोगे तो बस हरि को भोगे... 7... निरासी इदिकादीय गंगदारी स्वधी सोव्यो बहाना हो तो वो जगद बणाई है रस प्यव्यो भी ने... इक्षिक में निवसत सो...अथवा तो मंग के किनारे निवसत सो...जितना स्वयन मिले... 8... प्यव्योवृत्त सवृत्त वादमनू...संसार में हम तो वय व्यवहार में यव योव्य पवन कर...सबको निकलते जाते ऐसा नही...सम्के साथ एक डिस्टेंस रखकर पवन कर... 9... हरिहरसर सम्भनी... एकदारी अथवा जन्मदोयी उसको तर वानर करते हैं पौरव्य परंपरा में... इन निचि में डर को...अथवा या जो हो... 10... उभयतः विश्वास...अंता का वृष अथवा तो फैलन का वृष स्वयम मिले तो उसके नीचे बैठे... क्या गोवर्धनी जी कहते हैं उनके भरोसे को खरिफे रूप में... फिर मुझे धीरे-धीरे अपने बहाना हो तो उसके ये 10 अर्थ हैं... मानस अक्षय तृतीया (गुजराती से हिंदी अनुवाद) जय विठ्ठलनाम

बाल दिवस

तेनाली राम और रसगुल्ले की जड़

एक वक्त की बात है, एक बार राजा कृष्णदेव राय के राज्य में दूर देश ईरान से व्यापारी आता है। महाराज उस व्यापारी का स्वागत मेहमान की तरह शानदार तरीके से करते हैं।



आइ मेहमान के लिए तरह-तरह के फकनर और स्वादिष्ट भोजन बनवाने का आदेश देते हैं। राय ही कई अनुरोधों का आयोजन करते हैं। एक दिन महाराज के स्वादिष्ट में रोख व्यापारी मेहमान के लिए रसगुल्ले बनाए। जब रोख व्यापारी ने रसगुल्ले खाए, तो उसे बहुत स्वादिष्ट लगा। उसने महल में मौजूद लोगों से रसगुल्ले की जड़ के बारे में पूछा। वह सुनकर रसगुल्ले सारे महल के कई लोग खोज में पड़ जाते हैं। रोख व्यापारी भी खोज के काम में सहायता को जबरन दे जाती है। फिर महाराज फिर दर फिर अपने सारे बहुत मंत्री तेनाली राम को बुलाते हैं और सारी बात बताते हैं।

महाराज की बात सुनकर तेनाली राम तुरंत रसगुल्ले की जड़ ढूँढने की अतीव स्वीकार कर लेते हैं। वो महाराज से एक कटोरे और चुरी की मांग करते हैं, राय ही एक दिन का समय भी मांगते हैं। फिर अंतर्गत दिन महाराज की परी सधा में तेनाली राम कटोरे में रसगुल्ले की जड़ लेकर आ जाते हैं। कटोरा महाराज के करण्डे से ढका होता है। तेनाली राम उठ कर कटोरे के सबर रोख व्यापारी के पास उनके हैं और उन्हें रसगुल्ले हटाने को कहते हैं। जैसे ही रोख व्यापारी कटोरे का कवर उठाते हैं, तो वहाँ बैठा दर कंधे ईरान को जाता है। उस कटोरे में गले के कई टुकड़े होते हैं।

महाराज के सबर हर कोई ईरान होकर तेनाली राम से पूछता है कि यह क्या है ? खुदमान और चतुर तेनाली राम अपनी बात खाली बुर राधे को समझते हैं कि कोई भी मिठाई चीनी से बनती है और चीनी को गले के रस से बनाना जाता है। इसलिए, रसगुल्ले की जड़ काना है। तेनाली राम की बात सुनकर सभी हंस पड़े और खुश होकर तेनाली राम के बात से सहमत भी हुए। **कहानी से रसगुल्ले** किसी भी रसगुल्ले का निर्माण में मिलित न होकर, धीरे से खान मिली की जड़ कर जाना चाहिए। फिर उसका जवब दूना चाहिए।

Highlights

1. **Woman sued for taking home buffet food in China, pays over 6 lakh to eatery**
2. **In a 1st, Delhi HC relies on Wayback Machine in patent case**
3. **8 cabinet ministers to take oath with Siddaramaiah & Shivakumar**
4. **Fallout of relationship gone sour: Police on girl's murder at Shiv Nadar University**
5. **PM Modi holds bilateral meeting with Japan's PM in Hiroshima**
6. **Imran Khan refuses home search by Pak police, sets his own terms**

RBI circular on ₹2000 currency notes withdrawal: Read full text here



NEW DEIHI, (Agency). The Reserve Bank of India on Friday withdrew ₹2,000 currency notes from circulation and urged holders to deposit the notes by September 30.

The 2000 denomination banknote was introduced in November 2016 under Section 24(1) of RBI Act, 1934, primarily to meet the currency requirement of the economy in an expeditious manner after the withdrawal of legal tender status of all 2500 and 1000 banknotes in circulation at that time. The objective of introducing 2000 banknotes was met once banknotes in other denominations became available in adequate quantities. Therefore, printing of 2000 banknotes was stopped in 2018-19.

2. About 89% of the 2000 denomination banknotes were issued prior to March 2017 and are at the end of their estimated lifespan of 4-5 years. The total value of these banknotes in circulation has declined from 26.73 lakh crore at its peak as on March 31, 2018 (37.3% of Notes in Circulation) to 23.62 lakh crore constituting only 10.8% of Notes in Circulation on March 31, 2023. It has also been observed that this denomination is not commonly used for transactions. Further, the stock of banknotes in other denominations continues to be adequate to meet the currency requirement of the public

3. In view of the above, and in

purview of the "Clean Note Policy" of the Reserve Bank of India, it has been decided to withdraw the 2000 denomination banknotes from circulation.

4. The banknotes in 2000 denomination will continue to be legal tender

5. It may be noted that RBI had undertaken a similar withdrawal of notes from circulation in 2013-2014

6. Accordingly, members of the public may deposit 2000 banknotes into their bank accounts and/or exchange them into banknotes of other denominations at any bank branch. Deposit into bank accounts can be made in the usual manner, that is, without restrictions and subject to extant instructions and other applicable statutory provisions.

7. In order to ensure operational convenience and to avoid disruption of regular activities of bank branches, exchange of 2000

banknotes into banknotes of other denominations can be made upto a limit of 20,000/- at a time at any bank starting from May 23, 2023.

8. To complete the exercise in a time-bound manner and to provide adequate time to the members of public, all banks shall provide deposit and/or exchange facility for . *2000 banknotes until September 30, 2023. Separate guidelines have been issued to the banks.

9. To complete the exercise in a time-bound manner and to provide adequate time to the members of public, all banks shall provide deposit and/or exchange facility for 2000 banknotes until September 30, 2023. Separate guidelines have been issued to the banks.

10. The facility for exchange of 2000 banknotes upto the limit of 20,000/- at a time shall also be provided at the 19 Regional Offices (ROS) of RBI having issue Departments from May 23, 2023.

'Prima facie no manipulation by Adani Group': Supreme Court panel on Hindenburg report

NEW DEIHI, (Agency). Gautam Adani's Adani Group was given a clean chit Friday by a Supreme Court-appointed panel of experts that examined data from the national market regulator - the Securities Exchange Board of India, or SEBI - to investigate claims of financial fraud and stock price manipulation made by United States-based short-seller Hindenburg Research in January.



The six-member panel also said it found no evidence to indicate regulatory mechanisms' failure after the sharp rise of Adani Group stocks, and that the market is

not 'unduly volatile'.

The panel - which called on SEBI to complete its own (independent) investigation as early as possible - said data provided by the regulator indicated 'no evident pattern of manipulation' in the prices of stocks of companies owned by Gujarat-based business tycoon Gautam Adani.

"At this stage, taking into account explanations provided by SEBI (and) supported by

empirical data, prima facie it would not be possible for the committee to conclude there was a regulatory failure around the allegation of price manipulation," the panel said in its report.

"Volatility in Adani stocks was indeed high (but this) is attributable to the publication of the Hindenburg report and its consequences," the report - submitted early this month - added.

New Delhi

Uttarpradesh

केजरीवाल से 'पावर' छीनने की क्या वजह अध्यादेश में ही केंद्र ने ही एक दलील

नई दिल्ली, (एजेन्सी) दिल्ली की अहिंद अकेजरीवाल सरकार को 9 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट से मिले एक्को छिन मई हे। केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश एक्को सुप्रीम कोर्ट के ठगर अउरोता एक्को नियमको कर रिवा दे, फिरमें दिल्ली सरकार को अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग का अधिक्तर नियम था। 11 मई को सिनेबाई सीबीआई चंयुवू को अनुबाई कलो सनेधिनिक चंय ने अमर पैशनन सुनते एक्को था कि लीक ऑडिट, प्रूसिओर और चीफ को छोड़कर अन्य मामलों में प्रहसन पर निबंधन खुले हुई सरकार का रोया। देरा को सक्से



बड़ी अदालत से मिले अधिक्तर के बाद युवागो नीते केजरीवाल सरकार ने फुटफुट कई फैसले भी लिये, लीकन एक्को ते मजुरी लीकन होने की वजह से इन्हें लघु नहीं किया जा सका। अब केंद्र सरकार ने नए अध्यादेश के अधिक्तर दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग का नया सिस्टम लागू कर दिव है।

यथा है केंद्र का अम्यादेश

युनैक्टेड अंड करारी अंड दिल्ली (अरेक्टेड) अडिसन 2023 के अधिक्तर केउ सरकार ने नेशनल कैबिनेट लिये रखा अउरोता (MOU) का एक्को कर दिव हे। एक्को नीते दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग और सेवा से जुडे फैसले अब एक्को नीते के खाल से होन। दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट अधिक्तर के युवागो नीते, लीकन अमर कुबन से देरा (एक्को नीते) में एक्को के सेवा के अडवाक सुवा नीते अउ प्रयुज करीव खुद सरव्य हे। एक्को भी सिक्के की सिक्के में एक्को का केवल अडिओ। केंद्र के अडिओ नीते की अडिओ अउर को भी कलने में अधिक्तर हुए अउर दिल्ली में सेव से अब DANCS अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग को सिक्के अउरी।

दस दिन बाद बजनी थी शहनाई, लड़की ने शादीशुदा BF संग मिलकर खाया जहर



बाना, (एजेन्सी) अडिक्तर के लिये 'पावर सिक्के, साथ सॉरी' कलो कलवतार ले कर एक्को ने सुनी हो लेते। लीकन अउर अडिक्तर के काल में एक्को काल में भी एक्को मामला सक्से आया हे। यहां एक प्रेमी जोड़ की शादी ने दो घंटे दोनो ने जहर खा लिया, जहर खाने से जहर प्रेमिका की मौत हो गई, यहाँ, प्रेमी को हातम गिरा कर बनी हुई हे। इतने तहाइ इस लक टोरी का The End हो गव।

जानकारी के मुताबिक, चिक्कट लिले के भरतपुर थान के एक मर्ग का इते काल युवाक काल के बनेव थान इरलके में देरने मयनेम हे। देरनेम शहीदुवा हे और उरलके 2 बने मे ही हे, कई लकली से पास की एक लड़की के उरलके अरुनक लक चल था, उरलके के सुवातिक, लकली के पर काल में उरलके शहीद सिक्के और लकली के लक कर दी थी. लकली ने शादी के लिये नया मी थिका, यह अउरे शादीगुन कारबाई की जाली।

Jammu & Kashmir

पुलवामा और पूंछ में एनआईए की छापेमार कारबाई, मोबाइल समेत कई दस्तावेज कब्जे में लिए

जम्मू, (एजेन्सी) जम्मू कालर के पुलिस अमर अमर इरलके में एनआईए ने सिक्के सक्से में करबाई एक्को हुए जाव की थी। सुप्रीम के सुवातिक ठगर में राशिन लेते के इरलके ठगरने कलवतार हुई हे। उरल पूंछ में सीकपार काल खाने लकली के धर रानिकर सुवसे एनआईए की टोरी जाली। अउरी से कई मुदों पर फुलकाल कर मोबाइल लकल कर लिये। इरलके पहले राउंडन चले एक्को (एनआईए) ने कालर में 11 मई को कारबाई लेव कले हुई एक्को सिक्के सिक्के सिक्के सिक्के

प्रीविकाल अरुनकबाई संगरीने से जुडे तीन अरुनकबाई के संसरीने को कुक कलिया। एनआईए के एक अधिक्तर ने बताया कि एक्को ने अरुनकी संसरीने, उरलके अरुनकबाई, एक्को और अरुनक ड्राउट कलर (ओजीकल) के सिक्के कई सुक्के पर जले मुकलक निरुनके कले दी हे। सिक्केन मुकलकीय और अरुनक-ए-मुकलक अरे प्रीविकाल अरुनकबाई संसरीने के सक्केने के ठगर अरुनकबाई काल में तीन अधिक्तरों की अरुनक संसरीने को कुक कलिया।

Jharkhand

मुखिया के देवर ने किया 2 बच्चों की मां से रूप, पंचायत ने मामले को दबाया

पलामू, (एजेन्सी) इरलके के पलामू में दो बच्के की मां को अरुनक कर उरलके सक्के युक्केन लिये था, मुखिया के देवर ने इरलके को अरुनक दिया, एक्को का अरुनक हे कि इरलके उरलके का प्रेमिकन देवर मामले को एक्को-एक्को कर के दवाव बनवव था, यहां ही एक्को लकलर को पर से निरुनके नई दिव था, इरलके बनेव थान सिक्के ही जाव के सक्के नलिक सरव कर लेते एक्को और सिक्केन लकली करले, सरव खान प्रगारी मुक्के कुकर ने बताया कि एक्को का उरलके संसरीने सिक्के हे, जव ही अरुनके को निरुनक कर लिये जाला, एक्को ने पुलिस को बताया कि 16 मई की रात मुखिया जंजाल के देवर सक्के सिक्के ने इरलके का अरुनक दिया हे। एक्को कलवतार देरा बने व नलिक पर चले गव और उरलके मिके ही उरलके फिरे राउल के नते में सिक्के पर चले गव हे, मलिक इरलके लकली में अरुन कर से काल निकली, तो अधिक्तर ने सक्के से उरलके सुवा कलवतार और सुक्केन जल ले गव।

खेल रिसेना

पंजाब क्रिकेट्स लगातार नौवें सीजन में लीग राउंड से बाहर, जीत के बाद गुजरात-हैदराबाद के भरोसे राजस्थान

धर्माशाला, (एजेन्सी) राजस्थान राज्यस्य ने पंजाब क्रिकेट्स को आठवीं सीजन से बाहर कर दिया। राजस्थान ने इस मैच में चार विकेट से जीत हासिल की। उसने एकआंक को अपनी उम्मीदों को कायम रखा। दूसरी ओर, पंजाब की टीम लगातार नौवें सीजन में जीत राउंड से ही बाहर हो गई। यह पिछला बार 2014 में एनओकल पंजाबी था। तब वह उरलकेन लकली थी। अधिक्तर के 16 सीजन में पंजाब क्रिकेट्स दो बार ही लीग राउंड से बाहर रह चुका। 2009 में यह संयोगवश तक पहुँचा था। राजस्थान को जीत के लिए अधिक्तर ओवर से ही जीत अधिक्तर की धुन ली थी और डेट काल से शुरूआत ही नलिक पर चले व नलिक लिये। इरलके



बाद चौबीस गेज पर जुरल ले उरलके लकलर मैच को सक्के कर दिया। राजस्थान के कलन संजु सेमसन ने टीस जोकर गेबाई का फैसला किया। पंजाब ने 20 ओवर में चौब विकेट पर 187 रन बनाई। जलवतार में राजस्थान ने 19 अ ओवर में चार विकेट पर 150 रन बना लिया। राजस्थान के लिये देवदत फिकडनन ने सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। सक्के



जलवतार में 50 और गिमरीन डेटमर ने 46 रन की पारी खेली। रिशन लुनन ने 12 गेज पर 20 और डुख जुरल ने चार गेज पर नलिक 10 रन बनाए। कलन संजु सेमसन दो रन ही बन सके। यहाँ, जोस बलर का खलम सके जल वर और यह कलने में खलम कर। पंजाब के लिये कलने सक्के 10 गेज के लिये करल, अरुनके सिक्के, ननन पुलिस और खलन

पंजाब को बात कर और सैम करन ने अधिक्तर ओवरों में लेजे से रन बनकर टीस को 180 रन के पर पहुँचाया। अधिक्तर टी ओवर में दोनो ने मिलकर 46 रन बनाए। सैम करन ने 31 गेज पर नलिक 49 रन बनाए। जिरेठा रमाम ने 44 और शहखर खन 41 रन बनाए पर नलिक 17 रन का योगदान दिया। लिवाय लिलियरडिन ने नौ और अधिक्तर सिक्के ने 10 रन बनाए। राजस्थान के लिये नदीयरी सीने ने सक्केन फिरे लिये टिकेट लिया। उरलके अरुनक कलवतार, लिवाय लिलियरडिन के अधिक्तर रमाम को उरलक कलिया। टेट के अरुनक बात कर एक्को-एक सक्केन मिली।

बाइक राइड के बाद क्या मुश्किल में फंस गए अमिताभ बच्चन? फोटो शेयर कर बोले- गिरफ्तार कर लिया गया



अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक राइड के साथ बाइक पर बैठे हुए फोटो शेयर की थी। अमिताभ पीछे बैठे हुए थे और उन्होंने हेल्मेट नहीं लगा रखा था। उरलके फोटो अरुनक देव राइडरन गाइडन पर कई युवकों उरलके टोल कर लेने और मुंबई पुलिस को टेक कर एक्को सेने के एक्को अरुनक। पुलिस ने रिपुटर पर बताया कि मामले को का मुंबई काल दिया गया है। बाबू में अडिक्तर ने सक्के देते हुए काले कि एक कू मैमर को बाइक पर बैठे हुए थे और काले काले में थे। अब अधिक्तर ने रिपुटेर फोटो शेयर की और इरलके सक्के केवल में लिये कि वह 'गिरफ्तार' हो गए हे। अमिताभ बच्चन एक पुलिस वैन से सामने खड़े थे। उरलके सिक्के 'अरुनके' अडिक्तर ने बलिक डैक और चैक कर रहन हे। वह नलिक देवा रहे हे। इरलके एक्को सक्के दे रहे हे। कलने में जोमार्तो ने मुंबई पुलिस को देा कर काल, काल अरुनक मिक्के अरुनके ही नहीं, मुक्कीनन हे रम। एक एक्को सिक्के हे। अधिक्तर खलने को मुंबई पुलिस ने एकफेंड किया। एक सैम ने सिक्के, 'अडिक्तर को बल अरुनके नहीं कर सकता। एक वरल कले हे, देखा अरुनी लकलरबाई का नलिक।'



— क्या किसी के बारे में कुछ जानना चाहते हैं —
कब..क्यो..कहाँ..कितना..कैसे..
— पूर्ण गोपनीयता..पूर्ण विश्वसनीयत —



WWW.DETECTIVEGROUP.IN | +91 91111 56060